an>

Title: Need to give water from river Mahi in Jalore Parliamentary Constituency.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): सभापति महोदय, परसों सूखे की चर्चा होने वाली है। मेरा क्षेत्र जालौर सिरोही बहुत पिछड़ा क्षेत्र है और पानी का वहां हमेशा अभाव रहता है। एक जगह से हमें पूर्व में 1967 में शायद माही का एक प्लान बना था। गुजरात के साथ में करार हुआ था, जिसमें यह कहा था कि नर्मदा का पानी जब गुजरात में आ जायेगा, तब माही का पानी हमें मिलेगा। उस टाइम पर करार हुआ, लेकिन आज तक उसके ऊपर कोई अमल नहीं हुआ। नर्मदा का पानी तो गुजरात में आ गया, लेकिन हमारे यहां पर हमें नहीं मिला। मेरे यहां बहुत पानी की प्रोब्लम है और आपका बच्चा भी माउण्ट आबू में पढ़ा था। उसी माउण्ट आबू में एक समस्या यह हुई थी कि वहां पर पानी ज्यादा बरसा तो वह भी गुजरात में चला गया। हमारे क्षेत्र में जितना भी पानी आता है, हम बोर्डर पर हैं, हमारे एक साइड में पाकिस्तान है, एक साइड में गुजरात है, हमारा सारा पानी चला जाता है, हम पीछे रह जाते हैं।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है, निवेदन है, मैं करबद्ध निवेदन कर रहा हूं कि माही का जो हिस्सा हमें मिलना चाहिए, वह हिस्सा जालौर-सिरोही को अगर मिले तो हमारा क्षेत्र बच सकता है, अन्यथा हमारे क्षेत्र में हमेशा पानी की समस्या रहेगी। अभी जो बारिश हुई, उसमें माउण्ट का पानी वहां गया, उसमें मैंने जब बातचीत की तो वहां से लोगों ने यह कहा, आपका ही पानी है और बाढ़ हमारे यहां ही वापस आ गई, क्योंकि वह पानी घूमकर मेरे वहां आया, लेकिन वह पीने के लायक नहीं है। मेरे यहां आकर उस पानी से ग्राउण्ट लेवल रिचार्ज नहीं हुआ और वह पानी पाकिस्तान में चला गया। हम बीच में झूल रहे हैं तो आपके माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जो माही का हमारा एग्रीमेंट हुआ था, उसके तहत नर्मदा का पानी गुजरात में आ चुका है तो अब माही का पानी राजस्थान को मिले, यही अनुरोध है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय सभापति:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री देवजी एम. पटेल के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।